मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 196, मुंबई, मंगलवार, 13 अक्टूबर, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

MUMBAI

BATTI GUL

मुख्यमंत्री ने दिए जांच के आदेश

संवाददाता

मुंबई। मुंबई में सोमवार सुबह तकनीकी गड़बड़ी के चलते बिजली आपूर्ति ठप होने से लोकल ट्रेन सेवाएं बाधित हुईं, लोग लिफ्ट में फंस गए और महामारी के दौरान घर से काम कर रहे लाखों लोग प्रभावित हुए। हालांकि बिजली आपूर्ति बहाल करने का काम 'युद्धस्तर' पर शुरू हुआ और करीब दो घंटे आपूर्ति बाधित रहने के बाद करीब 12 बजे के बाद बिजली आपूर्ति क्षेत्रवार बहाल की जानी शुरू हुई। इस बीच मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में बिजली आपूर्ति बाधित होने को गंभीरता से लेते हुए तत्काल इसकी जांच के आदेश दिए।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

निजी अस्पताल में लगी आग, 40 मरीजों को निकटवर्ती अस्पतालों में ले जाया गया, 1 की मौत

मुंबई। मुंबई के एक प्राइवेट अस्पताल में सोमवार की शाम आग लग गई। यह हादसा जेनरेटर के अधिक गर्म होने की वजह से हुआ, जिसके बाद अस्पताल के अधिकारियों को 40 मरीजों को निकटवर्ती अस्पतालों में स्थानांतरित करना पड़ा। हालांकि एक मरीज की मौत हो गई।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

॥शुभ लाभ॥

MIX MITHAI

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले

MM MITHAIWALA

Malad (W) Tel. : 288 99 501

लॉकडाउन का स्याह सच

बढ़ गया चाइल्ड ट्रैफिकिंग, 6 महीने के आंकड़े डराने वाले

संवाददाता/मुंबई। कोरोना वायरस महामारी के चलते लागू किया गया लॉकडाउन जहां अर्थव्यवस्था के लिए घातक साबित हुआ है, वहीं इस दौरान रोजगार और मेंटल हेल्थ जैसी चुनौतियां भी सामने आई हैं। इन सबके अलावा लॉकडाउन का एक ऐसा स्याह सच भी सामने आया है जो काफी परेशान करने वाला है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

सफल रुद्रम

रक्षा के मोर्चे पर हमारे देश का कदम-दर-कदम सशक्त होना सुखद ही नहीं, बल्कि गौरवान्वित करने वाला सिलसिला भी है। शुक्रवार को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने एक बार फिर इतिहास रच दिया। भारत निर्मित एंटी रेडिएशन मिसाइल रुद्रम का परीक्षण पूरी तरह से सफल होना यह साबित करता है कि भारत की वायु सेना पहले की तुलना में और अधिक शक्तिशाली होने जा रही है। युद्धक विमान तो मात्र वाहन की तरह हैं, फर्क इस बात से पड़ता है कि युद्धक विमानों को हमने किन आधुनिक हथियारों से लैस कर रखा है। जैसे रुद्रम का परीक्षण सुखोई-30 एयरक्राफ्ट के जरिए किया गया है। रुद्रम विमानों में तैनात की जाने वाली ऐसी पहली भारतीय मिसाइल है, जो किसी भी ऊंचाई से दागी जा सकती है। यह मिसाइल किसी भी तरह के सिग्नल और रेडिएशन को न केवल पकड़ सकती है, बल्कि उसे नष्ट भी कर सकती है। युद्ध की तैयारियों में जुटे अनेक देश ऐसे हथियारों को विकसित करने में लगे रहते हैं, ताकि युद्ध के शुरूआती चरण में ही दुश्मन के सिग्नल और रडार को नष्ट किया जा सके। दुनिया में आज जितने भी आक्रामक देश हैं, सभी ने अपनी-अपनी सीमाओं पर रडार और निगरानी तंत्र को मजबूत कर रखा है। ऐसे में, भारत के लिए रुद्रम का विकास अनिवार्य हो गया था। ध्वनि की गति से भी दोगुनी रफ्तार के साथ यह मिसाइल प्रहार संभव है। भारत के रक्षा वैज्ञानिकों को इस कामयाबी का इंतजार था। बंगाल की खाड़ी में ओडिशा के तट से दूर, परीक्षण रेंज बालासोर में सुबह लगभग 10.30 बजे इसका परीक्षण सफल होते ही वैज्ञानिकों में खुशी की लहर का दौड़ना वाजिब है। इस बड़ी उपलब्धि के लिए हमारे वैज्ञानिक बधाई के हकदार हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उचित ही उनकी पीठ थपथपाई है। अब हम दुश्मन के वायु रक्षा ढांचे को बर्बाद करने में सक्षम होने की ओर कदम बढ़ा चुके हैं। इससे भारतीय वायु सेना के युद्धक विमानों को प्रभावी ढंग से अपने मिशन को पूरा करने में मदद मिलेगी। इस मिसाइल का उपयोग 500 मीटर से 15 किलोमीटर तक की ऊंचाई से किया जा सकता है और 250 किलोमीटर की सीमा के भीतर विकिरण उत्सर्जन लक्ष्य को निशाना बनाया जा सकता है। हवा से जमीन तक वार करने में कारगर यह एंटी रेडिएशन मिसाइल कई प्रकार के विकिरण पकड़ने की क्षमता रखती है। खास बात यह कि प्रक्षेपण से पहले भी इसका लक्ष्य तय हो सकता है और प्रक्षेपण के बाद भी इसे लक्ष्य देना मुमकिन है। यह इतनी विकसित मिसाइल है कि इसके छूटने के बाद अगर दुश्मन अपना रडार बंद कर दे, तो भी वह हमले से बच नहीं सकता। इस परीक्षण के सफल होने के बाद उम्मीद करनी चाहिए कि जल्द ही हमारे युद्धक विमानों में इसकी तैनाती होगी। सुखोई और स्वदेशी तेजस में भी इसका इस्तेमाल किया जा सकता है। बेशक, डीआरडीओ के लिए ये खुशी के पल हैं, लेकिन अभिभूत होने की जरूरत नहीं। भारत को सुरक्षित बनाने की दिशा में बहुत काम बाकी हैं। हम प्रतिकूल परिस्थितियों से घिरते जा रहे हैं। हमें उस दिशा में और तेजी से बढ़ना होगा, जहां हमें विदेश से एक भी मिसाइल या विमान खरीदने की जरूरत न पड़े। हमारी सामरिक आत्मनिर्भरता हमें आर्थिक व सामाजिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में मददगार होगी।

भारत में कोविड-19 की दूसरी लहर हो सकती है खतरनाक

बहुत से लोगों को लगने लगा है कि कोरोना संक्रमण पर काफी हद तक काबू पा चुके हैं। इसकी वजह यह है कि अब तक भारत में रोजोना नए मामलों का रिकॉर्ड बनाने के बाद उत्तरोतर संख्या में कमी या स्थिरता दिखने लगी है। रिकवरी रेट 86 प्रतिशत हो गया है। मृत्यु दर भी 1.55 प्रतिशत तक आ गई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार हर दिन नए मामलों और ठीक होने वाले मामलों में लगभग 15000 का अंतर है। यह आंकड़े तसल्ली तो देते हैं लेकिन इससे हमें आत्मसंतुष्ट नहीं हो जाना चाहिए। दरअसल देखा गया है कि दुनिया भर में जहां भी कोरोना संक्रमण की रफ्तार धीमी पड़ी है उसके बाद नई लहर सामने आई है जो पहले से ज्यादा गंभीर थी।

ऐसे में यह जरूरी है कि संक्रमण से बचाव के लिए हम जो सावधानियां बरत रहे हैं उनको और प्रभावी तरीके से लागू रखें। इससे संभव है कि हम कोरोना की दूसरी लहर को रोक पाने में सफल हो जाएं। फ्रांस में दूसरी लहर आई जो पहले से कहीं ज्यादा गंभीर थी। इसलिए हमें इस बात के लिए आश्वस्त नहीं हो जाना चाहिए कि हम कोरोना पर काबू पा चुके हैं। हालांकि यह बात सही है कि हमारे देश में सरकार ने बेहतर रणनीति के साथ कोरोना से निपटने के लिए कार्य किया।

यही वजह है कि अमेरिका, ब्राजील व फ्रांस, जर्मनी, इटली, स्पेन सहित अन्य यूरोपीय देशों के मुकाबले हमारे यहां आबादी बहुत ज्यादा होने के बावजूद मृत्यु दर कम रही। कोरोना जब तक हमारे साथ है हमें तीन बातों का सख्ती से पालन करना होगा। मास्क को हमें अपने वस्त्र की तरह अनिवार्य बनाना होगा। शारीरिक दूरी का पालन करना होगा और साथ ही घरों में ताजी हवा के आने-जाने का वेंटिलेशन बनाए रखना होगा। उनका मानना है कि यही तीन चीजें ऐसी हैं जिससे हम कोरोना से दो-दो हाथ कर सकते हैं और इन्हीं के जरिए कोरोना वायरस को थामने में भी काफी हद तक सफल भी हो सकते हैं। यह बहुत अच्छी बात है कि हमारे घरों में वेंटिलेशन बहुत अच्छा होता है। यह बंद कमरों की अपेक्षा संक्रमण को रोकने में काफी मददगार हो रहा है। हालांकि चिंता यह है कि आने वाले दिनों में नवरात्र, दशहरा, दीवाली जैसे पर्व हैं जिनमें लोगों का मिलना जुलना बढ़ जाता है। साथ ही अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी लोगों की आवाजाही रहती है। स्कूल, कॉलेज व अन्य शैक्षिक संस्थान भी खोलने की तैयारी है। यदि ऐसे में हमने शारीरिक दूरी का कड़ाई से पालन नहीं किया तो संक्रमण यकायक बढ़ सकता है। देखा गया है कि जब लोग इस बात के लिए आश्वस्त हो जाते हैं कि हमने महामारी पर काबू पा लिया है तभी इसकी दूसरी लहर और गंभीर रूप धारण करके सामने आ जाती है। यह भी पुख्ता रूप से नहीं कहा जा सकता कि संक्रमण की दूसरी लहर यदि आई तो वह कब तक आएगी? कितनी गंभीर या सामान्य होगी?

हालांकि दूसरे देशों में जैसे ही कोरोना के मामलों में कमी आई और स्कूल, कॉलेज, मॉल आदि खोल दिए गए तुरंत बाद संक्रमण की दूसरी लहर आ गई। इसलिए हमें कतई इस बात को लेकर आश्वस्त नहीं हो जाना चाहिए कि कोरोना के संक्रमण की रफ्तार कम हो गई है। हमें उन सभी सावधानियों का उसी तरीके से पालन करते रहना होगा जिस तरीके से हम करते आ रहे हैं। हालांकि कुछ लोग ना तो शारीरिक दूरी का ध्यान रख रहे हैं और ना ही मास्क ही सही तरीके से पहनते हैं। यह एक बहुत बड़ी चुनौती साबित हो सकता है इसलिए हमको चाहिए कि हम ऐसे लोगों को सावधान करें और उन्हें इसके महत्व के बारे में भी बताएं। लोग बेसब्री से वैक्सीन आने का इंतजार कर रहे हैं। युद्ध स्तर पर कोशिशें भी जारी हैं। उम्मीद की जा रही है कि साल के अंत तक हम वैक्सीन लाने में कामयाब होंगे लेकिन वैक्सीन आते ही सबको लग जाएगी ऐसा मुमकिन नहीं है। इसलिए हमें फिलहाल मास्क जो कि वैक्सीन से कम नहीं उसका ही इस्तेमाल करते रहना होगा। तभी हम इस संक्रमण को मात देने में कामयाब हो सकते हैं।

सामयिक जरूरतों के अनुकूल सूचना दे मौसम विभाग

मौसम का मिजाज बिल्कुल बदल चुका है और उसने सेटेलाइट युक्त अत्याधुनिक व प्रगति के दावे करने वाले वर्तमान मानव युग को उसकी सीमाओं व सामर्थ्य का स्पष्ट बोध करा दिया है। अन्य ग्रहों पर जीवन की खोज कर बसने बसाने का सपना देखने दिखाने वाले विशेषज्ञ इस धरती के एक मामूली से अवयव मौसम तक का मिजाज सटीक तौर पर नहीं जान पा रहे हैं। मानसून के कायम रहने और उसकी वापसी के कई अनुमान धराशायी हो चुके हैं। मौसम विज्ञानियों के हवाले से जारी किए जाने वाले अधिकांश पूवार्नुमान इस बार गलत सिद्ध हुए हैं। स्पष्ट है कि अत्याधुनिकता का दावा करने वाली अधिकांश मौसम शोधशालाओं में व्यापक सुधार की दरकार है।

भारतीय मौसम विभाग ने भी हाल ही में यह स्वीकार किया है कि उसके पूवार्नुमान इस वर्ष लगभग 40 फीसद तक गलत रहे हैं। दिल्ली, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश जैसे देश के कई हिस्सों में तो बरसात अनुमान के विपरीत मात्र 30 फीसद ही दर्ज की गई है, जबकि दूसरी ओर कई क्षेत्रों में अनुमान से 50 फीसद ज्यादा। दरअसल इस विभाग की स्थापना का मूल उद्देश्य मानसून की वास्तविक स्थिति से किसानों को आगाह कराना था, ताकि वे अपनी फसलों की बोआई व तत्संबंधी

व्यवस्थाएं समय रहते कर लें, लेकिन यह न तो समय की रफ्तार पकड़ पाया और न ही किसानों का मददगार बन पाया। इसके बजाय आज भी किसान अपने पुराने संकेतों के सहारे इससे ज्यादा बेहतर पूवार्नुमान लगा लेते हैं। सामान्य तौर पर सितंबर माह के पहले सप्ताह तक मानसून की 80 फीसद वापसी हो जाती थी, पर इस बार देश के कई राज्यों में अक्टूबर के पहले सप्ताह में भी मानसून वापसी का सटीक अनुमान लगाने में मौसम विशेषज्ञ असफल हुए हैं। दरअसल पृथ्वी विज्ञान मंत्रलय के तहत आने वाले इस 145 साल पुराने विभाग का बजट लगभग 410 करोड़ रुपये है और अभी कुछ माह पूर्व ही इस विभाग के प्रभारी मंत्री ने माना कि वैश्विक स्तर पर मौसम के पूवार्नुमान बाबत नई तकनीकें प्रयुक्त की जा रही हैं और इस विभाग की कार्यप्रणाली तथा तकनीक में सुधार के साथ ही सही व सटीक पूवार्नुमान लगाने तथा वैश्विक मानकों के अनुरूप ढालने व आधुनिकीकरण के लिए बजट में वृद्धि के साथ ही व्यापक पैमाने पर अतिरिक्त रकम की आवश्यकता है। बहरहाल, प्रकृति के इतने बड़े परिवर्तन का पूवार्नुमान न लगा पाना निश्चय ही न केवल मौसम संबंधी अत्याधुनिक शोधशालाओं की कार्य प्रणालियों और उनकी क्षमताओं पर तमाम सवाल खड़े करता है, बल्कि इससे हैरानी भी होती है। इतना ही नहीं, मौसम व जलवायु संबंधी निगरानी के नाम पर छोड़े गए अत्याधुनिक उपग्रहों की उपयोगिता पर भी सवाल उठना भी लाजमी है। यह बेहद गहन शोध का विषय है और इसे महज जलवायु परिवर्तन या प्रकृति से छेड़छाड़ आदि मामूली जुमले देकर नहीं टाला जा सकता। खासकर हमारे देश के संदर्भ में शोध की जरूरत इसलिए भी ज्यादा है, क्योंकि हमारी अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कृषि पर आधारित है और कृषि व्यापक रूप से मानसून पर। हकीकत में इसका चक्र मौसम के पूवार्नुमान संबंधी समस्त व्यवस्था व प्रक्रियाओं को नए सिरे से पुनर्गठित करने की मांग करता है। बारिश को लेकर मौजूदा बुनियादी मानक वर्ष 1941 के दरम्यान स्थापित किए गए थे और अब उनमें से अधिकांश अनुपयोगी सिद्ध हो रहे हैं, जिनमें आमूल-चूल परिवर्तन की आवश्यकता है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

मुंबई, मंगलवार
13 अक्टूबर, 2020

केईएम अस्पताल में खुलेगा 'प्लाज्मा बैंक'

मुंबई। महाराष्ट्र और मुंबई में कोरोना महामारी का संकट अभी भी बरकरार है। कोरोना मरीजों के मिलने का सिलसिला अभी भी जारी है। हालाँकि अच्छी बात यह है कि अब मरीजों के ठीक होने का आंकड़ा बढ़ रहा है। मरीजों को ठीक करने में प्लाज्मा थेरेपीकाफी कारगर सभी हो रही है। इसलिए मुंबई केईएम अस्पताल में प्लाज्मा बैंक खोलने के फैसला प्रशासन ने किया है। कोरोना मरीजों को ठीक करने में कारगर साबित हो रही प्लाज्मा थेरेपी को और भी मरीजों के लिए मुहैया करवाने के मकसद से अब केईएम अस्पताल प्लाज्मा बैंक खोला जायेगा। जिससे ज्यादा से ज्यादा मरीजों को

इसका लाभ मिल सके। जब मरीजों को बड़े पैमाने पर प्लाज्मा उपलब्ध होगा तब महंगे इंजेक्शन के खर्च से निजात मिल सकेगी। फिलहाल मुंबई शहर के अस्पतालों में 'प्लाज्मा' थेरेपी जरिये कोरोना को हरा चुके मरीजों के खून से एंटीबॉडीज लेकर उसका इस्तेमाल कोरोनाग्रस्त मरीजों के उपचार में किया जा रहा है। मध्यम और तेज लक्षण वाले मरीजों के लिए भी प्लाज्मा थेरेपी असरदार साबित हो रही है। फिलहाल मनपा के नायर, सायन और केईएम अस्पताल में प्लाज्मा सेंटर शुरू किया गया है लेकिन सभी के लिए प्लाज्मा उपलब्ध करवा पाना मुश्किल हो रहा है।

सस्ता है प्लाज्मा थेरेपी के जरिये इलाज: कोरोना के मरीजों और उनके परिवारों को जितना डर कोरोना का है उतना ही डर कोरोना के मंहगे इलाज का है। कोरोना के इस्तेमाल की जाने वाली रेमडेसिविर के इंजेक्शन काफी मंहगे होने और पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध न होने से मरीजों को काफी दिक्क्तों का सामना करना पड़ता है। बीएमसी के अडिशनल कमिश्नर सुरेश काकानी के मुताबिक मरीजों की सहूलियत के लिए यह कदम उठाया गया है। प्लाज्मा बैंक को दो सप्ताह के भीतर शुरू करने का प्रयास है। प्लाज्मा थेरपी की मदद से साढ़े सात हजार में ही कोरोना मरीजों को इलाज उपलब्ध होगा।

अगले साल महाराष्ट्र दिवस पर खुलेगा समृद्धि महामार्ग

मुंबई। देश के सबसे अत्याधुनिक हाइवे पर वाहनों की आवाजाही शुरू करने की तारीख महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम (एमएसआरडीसी) ने घोषित कर दी है। राज्य के दो प्रमुख शहरों की दूरी कम करने वाले 701 किमी लंबे समृद्धि महामार्ग पर 1 मई 2021 से वाहनों का दौड़ना आरंभ हो जाएगा। नागपुर से मुंबई के बीच बने इस महामार्ग को तीन चरणों में खोला जाएगा। 1 मई 2022 को पूरे 701 किमी लंबे हाइवे पर वाहनों की आवाजाही शुरू हो जाएगी। पहले चरण के तहत 1 मई, 2021 से 520 किमी लंबे हाइवे को खोला जाएगा। 520 किमी का यह मार्ग नागपुर से शिर्डी तक का होगा। दूसरे चरण में 623 किमी हाइवे को खुला जाएगा। 1 दिसंबर 2021 से नागपुर से इगतपुरी तक हाइवे खुल जाएगा। एमएसआरडीसी के व्यवस्थापकीय संचालक राधेश्याम मोपलवार के अनुसार, हाइवे निर्माण का कार्य तेजी से चल रहा है। 701 किमी लंबे हाइवे पर अब तक 152.17 किलोमीटर

तक सड़क बनाने का काम पूरा कर लिया गया है। राधेश्याम ने कहा कि यह हाइवे सिर्फ मुंबई-नागपुर की दूरी कम नहीं करेगा, बल्कि राज्य के कई जिलों और गांवों को भी जोड़ने का काम करेगा। समृद्धि महामार्ग राज्य के 9 जिले, 392 गांवों से हो कर गुजरेगा। इस मार्ग के माध्यम से मुंबई से नागपुर का सफर केवल 8 घंटे में पूरा किया जा सकेगा। रेल मार्ग से यह सफर पूरा करने में 12 से 15 घंटे का समय लगता है। 701 किलोमीटर लंबे हाइवे के निर्माण पर 55 हजार 332 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसमें से 40 हजार करोड़ रुपये केवल इंजिनियरिंग वर्क पर खर्च होंगे। पूरे मार्ग पर 8 टनल, वायाडक्ट्स, रेल मार्ग और नदी के ऊपर पुल निर्माण का कार्य किया जा रहा है। हाइवे के कारण वन्य जीवों का जीवन प्रभावित न हो, इसके लिए भी जंगल क्षेत्रों में अंडरपास और ओवरपास मार्ग तैयार किया जा रहा है। हाइवे के करीब रहने वालों को लाभ पहुंचाने के लिए एमएसआरडीसी ने 19 औद्योगिक केंद्र बनाने का फैसला लिया है। 19 में से 8 केंद्र की योजना तैयार कर ली गई है। 8 में से 6 केंद्रों के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है। अगले साल जून तक जमीन अधिग्रहण का काम पूरा कर लिया जाएगा। इन केंद्रों में विभिन्न उद्योग शुरू किए जाएंगे, ताकि स्थानीय लोगों को रोजगार के नए अवसर मिल सकें।

40 किमी पर चार्जिंग पॉइंट

सरकार के इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहित करने की योजना का भी विशेष ख्याल रखा गया है। हर 40 से 50 किमी तक हाइवे के दोनों तरफ वाहनों की चार्जिंग की व्यवस्था की गई है। राधेश्याम ने कहा, हाइवे पर ट्रैफिक मैनेजमेंट के लिए इंटिग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) लगाया जाएगा।

मास्क नहीं पहनने वाले लोगों को दंडित करने के लिए व्यापक अभियान

मुंबई। त्योहारी मौसम से पहले कोविड-19 के प्रसार को रोकने के लिए मुंबई नगर निकाय ने मास्क नहीं पहनने वालों के खिलाफ सोमवार को व्यापक अभियान चलाया और कहा कि वह प्रतिदिन लगभग 20 हजार ऐसे नागरिकों को दंडित करेगा। बृहन्मुंबई नगर निगम (एमसीजीएम) के आयुक्त इकबाल सिंह चहल ने कहा कि यह अभियान करीब एक महीने चलेगा। उन्होंने कहा कि वह खुद ही प्रतिदिन स्थिति की समीक्षा करेंगे। चहल ने कहा, एमसीजीएम

के तहत काफी संख्या में लोग मास्क नहीं पहनते हैं और इससे भविष्य में स्थिति खराब हो सकती है, जिससे मुंबई को और खोलने में विलंब हो सकता है। उन्होंने एक बयान में कहा, एमसीजीएम मास्क नहीं पहनने वाले लोगों को दंडित करने के लिए प्रतिदिन करीब 20 हजार नागरिकों को दंडित करने का व्यापक अभियान चलाने जा रही है। नगर निकाय ने सार्वजनिक स्थलों पर मास्क नहीं पहनने वालों के लिए 200 रुपये जुर्माना निर्धारित किया है।

(पृष्ठ 1 का शेष)

मुंबई में बत्ती गुल

मुख्यमंत्री ठाकरे ने जांच का आदेश देने के बाद दोपहर में अपने आवास में एक बैठक की जिसमें राज्य के मुख्य सचिव संजय कुमार और बीईएसटी, टाटा एवं अडानी जैसे बिजली आपूर्ति कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल हुए। ऊर्जा मंत्री नितिन राउत और ऊर्जा राज्य मंत्री पी तानपुरे भी बैठक में वीडियो कान्फ्रेंस के जरिये शामिल हुए। ट्रेन सेवाएं बहाल होने में करीब ढाई घंटे का समय लगा, ट्रेन सेवाएं सबसे पहले हार्बर लाइन पर बहाल हुई। ट्रेनों का संचालन बहाल होने से यात्रियों को हुई असुविधा कम करने में मदद मिली जिसमें वर्तमान समय में केवल आवश्यक सेवाओं में लगे कर्मचारी सफर कर रहे हैं। पश्चिम रेलवे (डब्ल्यूआर) और मध्य रेलवे (सीआर) दोनों ने सेवाओं में व्यवधान के लिए टाटा पावर (अपने बिजली आपूर्तिकर्ता) से बिजली आपूर्ति बाधित होने को जिम्मेदार ठहराया। ऐसे में जब सेवा क्षेत्र में घर से काम (वर्क फ्रॉम होम) सामान्य चीज हो गई है, कर्मचारियों का कार्य प्रभावित हुआ क्योंकि घरों में संस्थाओं की तरह पावर बैकअप की सुविधा नहीं है। कुछ कर्मचारियों को अधिक दिक्कतें हुईं। मध्य मुंबई में व्यापारिक परिसरों में काम करने वाले कर्मचारी ऐसे समय लिफ्ट में फंस गए जब कोरोना वायरस महामारी के चलते एक-दूसरे से दूरी बनाये रखने की सलाह दी जाती है। कुछ मिनट बाद उन्हें बाहर निकाला गया। जून 2018 में महानगर में एक तकनीकी दिक्कत की वजह से बिजली आपूर्ति बाधित हुई थी। महाराष्ट्र के ऊर्जा मंत्री नितिन राउत ने कहा कि यह दिक्कत महाराष्ट्र राज्य बिजली पारेषण कंपनी (एमएसईटीसीएल) के पहले से निर्धारित रखरखाव कार्य के दौरान उत्पन्न हुई। उत्पादन एवं वितरण दोनों में लगे टाटा पावर ने आपूर्ति बाधित होने के लिए एमएसईटीसीएल के कालवा और खारघर स्थित दो सब स्टेशनों के पूर्वा 10 बजकर 10 मिनट पर एकसाथ ट्रिप होने को जिम्मेदार ठहराया।

निजी अस्पताल में लगी आग

अधिकारियों ने बताया कि मुलुंड (वेस्ट) में एपेक्स अस्पताल में शाम पांच से छह बजे के बीच जेनरेटर के ज्यादा गर्म होने की वजह से उसमें आग लग गई। उन्होंने बताया कि इस हादसे में कोई घायल नहीं हुआ और दमकलकर्मियों ने 40 मरीजों को पांच निकटवर्ती अस्पतालों में पहुंचाया। उन्होंने बताया कि आग पर शाम करीब छह बजकर 15 मिनट पर काबू पा लिया गया। अधिकारी ने बताया कि अस्पताल में बिजली की समस्या थी इसलिए मरीजों को निकटवर्ती अस्पताल में भेजा गया। शहर के अस्पतालों को कई घंटों तक जेनरेटर का सहारा लेना पड़ा क्योंकि सुबह 10 बजकर पांच मिनट पर शहर में बिजली की व्यापक समस्या खड़ी हो गई थी।

लॉकडाउन का स्याह सच

लॉकडाउन के दौरान 6 महीने में चाइल्ड ट्रैफिकिंग जैसे बच्चों से जुड़े अन्य अपराधों में इजाफा देखा गया है। चाइल्ड लाइन यानी बाल सहायता नंबर 1098 के डेटा का एक अंग्रेजी अखबार ने विश्लेषण किया है, जिसमें ये चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। ये हेल्पलाइन नंबर पूरे देश में चलता है जो महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा शुरू किया गया है। मार्च और अगस्त के बीच 1098 पर बच्चों से जुड़े करीब 1.92 लाख केस सामने आए। जबकि इन्हीं महीनों के दौरान पिछले साल यानी 2019 में इस तरह के केस की संख्या 1.70 लाख थी। लॉकडाउन के इन 6 महीनों में 1098 पर कुल 27 लाख शिकायती कॉल आए। जबकि 2019 में इतने ही समय में 36 लाख फोन कॉल दर्ज किए गए थे। हैरानी की बात ये है कि मार्च से पूरे देश में लॉकडाउन था, हर कोई अपने घर में कैद था, स्कूल बंद थे, कामकाज की सभी जगह भी बंद थीं, लिहाजा ये उम्मीद की जा रही थी कि बच्चों से जुड़े मामलों में काफी कमी आएगी लेकिन उतना ज्यादा अंतर नहीं देखा गया। डेटा से पता चला है कि अप्रैल से अगस्त के बीच बाल विवाह यानी चाइल्ड मैरिज के 10 हजार केस सामने आए। इनमें से ज्यादातर केस में शादी होने से रोक लिया गया। अंग्रेजी अखबार ने एक अधिकारी के हवाले से लिखा कि बच्चों से जुड़े 32,700 मामलों में ज्यादातर बाल विवाह, यौन शोषण, भावनात्म शोषण, भीख मांगने और साइबर क्राइम के हैं। अप्रैल और अगस्त के बीच 10 हजार से ज्यादा केस अकेले बाल विवाह के आए, इनमें से ज्यादातर शादियां रुकवा दी गईं।

'आत्मनिर्भर भारत'- फ्रैंचाइजी ग्रुप के साथ प्रमाणित फ्रैंचाइजी सलाहकार बने

मुंबई। फ्रेंचाइजी उद्योग 50.4 बिलियन डॉलर का उद्योग है और भारत में 1 मिलियन से अधिक ब्रोकर हैं। उद्योग व्यवसाय ब्रोकिंग के माध्यम से सालाना 100 मिलियन डॉलर उत्पन्न करता है। इंटरनेट के युग ने दलालों के लिए अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों के दरवाजे खोल दिए हैं। फ्रैंचाइज़ ग्रुप एक निवेशक है जो व्यवसायिक ब्रोकिंग कंपनी को उन पेशेवरों के साथ संचालित करता है जिन्होंने 20 से अधिक वर्षों से मताधिकार उद्योग की सेवा की है। जितना वे नैतिकता की परवाह करते हैं, उतना ही उन्हें अपने ग्राहकों को बढ़ता हुआ देखना भी पसंद है। फ्रैंचाइज़ ग्रुप पूरी तरह से फ्रेंचाइज़िंग, लाइसेंसिंग, रिटेलिंग और रियल एस्टेट के हर पहलू पर काम करता है और निवेशकों को सबसे अधिक ग्रहणशील व्यावसायिक अवसरों का चयन करने में मदद करता है। उनके अनूठे गतिशील दृष्टिकोण के साथ, द फ्रैंचाइज़ ग्रुप सभी घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार वर्टिकल जैसे कि खाद्य और पेय पदार्थ, शिक्षा, फैशन, खुदरा, स्वास्थ्य और कल्याण, आदि को पूरा करता है। प्रोग्राम 1 लाख का यह व्यापक सीएफसी प्रशिक्षण कार्यक्रम आत्मानिभर भारत के विचार को ध्यान में रखते हुए निः शुल्क बनाया गया है। महामारी के कारण कई लोग पहले ही अपनी नौकरी खो चुके हैं और उनके लिए अपनी रोटी कमाना मुश्किल है। हम उनसे एक बहुत बड़ा कोर्स शुल्क माँग कर उन्हें कमाने का अवसर नहीं देना चाहते। हम हर व्यक्ति की मदद करने के लिए यहां हैं और सुनिश्चित करें कि सीएफसी कार्यक्रम के माध्यम से वे इस महामारी में भी अच्छी कमाई करें। द फ्रैंचाइज़ ग्रुप के संस्थापक मनिंदर सिंह पसरीचा कोट्स ने कहा है कि फ्रैंचाइज़ ग्रुप अपने सीएफसी कार्यक्रम के माध्यम से न केवल व्यक्तियों को नौकरी और सफलता सुनिश्चित करता है बल्कि उन्हें एक व्यक्ति के रूप में विकसित होने में मदद करता है और उनके लिए अवसरों के अधिक द्वार खोलता है।

भारत में वितरण बढ़ाने के लिए ट्यूनकोर, 'गाना' के साथ करेगा साझेदारी

मुंबई। जानीमानी संगीत वितरण सेवा देने वाली कंपनी ट्यूनकोर ने आज भारत की सबसे बड़ी संगीत स्ट्रीमिंग की उभरती कंपनी 'गाना' के साथ साझेदारी करने का फैसला किया है। ट्यूनकोर, पेरिस की 'बिलिव' के स्वामित्व वाली कंपनी है और दोनों कंपनियां दुनिया भर की एक तिहाई डिजिटल संगीत का वितरण करती हैं। भारत में इस साल के शुरूआत में लांच हुई कंपनी ट्यूनकोर ने कई नई सेवाएं जोड़ी हैं और स्थानीय स्तर पर भागीदार बनाए हैं। इससे उपभोक्ता के अनुभव मे और भारतीय कलाकारों की पहुंच में काफी बढोतरी हुई है। वितरण के क्षेत्र मे हुई इस नई भागीदारी से अब ट्यूनकोर कलाकारों के संगीत का आनंद गाना के 185 मिलियन से ज्यादा श्रोता ले सकेंगे। ट्यूनकोर, कलाकारों को उनके संगीत के लिए पूरा अधिकार बनाए रखने की सुविधा देता है और स्ट्रीमिंग और डाउनलोड से हुई 100% आय कमाने की सुविधा भी देता है। ट्यूनकोर के दुनिया भर में फैले डिजीटल स्टोर के माध्यम से भारतीय कलाकार अपने संगीत का वितरण कर सकते हैं, जिसमें स्पाटिफाई, आई्ट्यून्स/ एपल म्यूजिक, यूट्यूब म्यूज़िक, अमेजन म्यूज़िक, शामिल हैं, इसके साथ ही, भारत के स्थानीय स्टोरों, जैसे गाना, जियोसाव्न, हंगामा और विंक में भी वितरण कर सकते हैं। ट्यूनकोर इंडिया की प्रमुख, हिना कृपलानी ने कहा है कि ट्यूनकोर के माध्यम से हम हमेशा ही अपने कलाकारों की अच्छी सेवा करने की कोशिश करते रहे हैं। साथ ही, ऐसी साझेदारियां को प्राथमिकता दी है जिससे ज्यादा से ज्यादा फायदा हो सके। गाना की पहुंच 185 मिलियन संगीत प्रेमियों तक है, जो अब हमारे पहले से मजबूत स्थानीय भागीदारों की वजह से और बढ़ जाएगी। गाना के सीईओ, प्रशान अग्रवाल ने कहा है कि, देश का नंबर वन म्यूजिक एप बनने के लिए हमारा एक दशक का सफर रहा है, हमारी कोशिश रही है कि तकनीक के माध्यम से उभरते हुए भारतीय कलाकारों को मजबूत बनाया जाए, जिससे दर्शकों के साथ उनके संबंध और अच्छे बन सकें।

tunecore

अनिल को कोर्ट से राहत

मुंबई। अनिल अंबानी की प्रॉपर्टी को जब्त करने की चीनी बैंकों की कोशिश नाकाम हो सकती है। दिल्ली हाईकोर्ट ने इस मामले में चीन के उन तीनों बैंकों को नोटिस भेजा है, जिन्होंने अनिल अंबानी को उधार दिया था। कोर्ट के इस कदम से चीनी बैंकों के लिए मुश्किल खड़ी हो सकती है। बता दें कि चीन के तीन बैंकों ने इसी साल मई में लंदन में अनिल अंबानी के खिलाफ मामला जीता था। अनिल अंबानी पर इन बैंकों का 5 हजार 276 करोड़ रुपए से ज्यादा का बकाया है। अंबानी ने यह अपील की थी कि भारत में बैंकों ने अलग से दिवालिया के लिए उनके खिलाफ चुनौती दी है। दिल्ली हाईकोर्ट ने इस मामले में उनकी राय मांगी है। हालांकि, इसमें बैंक के नाम का पता नहीं चल पाया है। लंदन की कोर्ट के मामले में चीनी बैंकों ने कहा था कि उन्होंने साल 2012 में रिलायंस कम्युनिकेशन (आर कॉम) को कर्ज दिया था। यह कर्ज पर्सनल गारंटी के आधार पर दिया गया था। हालांकि, कोर्ट में मामला जीतने के बाद भी ये बैंक अभी तक पैसे की रिकवरी नहीं कर पाए हैं।

सांगरिया पंचायत में भरत राजमणी बने निविरोध पंच

जोधपुर सांगरिया पंचायत में भरत कुमार राजमणी निविरोध पंच बनने पर राष्ट्रीय मानवाधिकार संघ भारत की तरफ से राजमणी को माला पहनाकर करके सम्मान स्वागत किया गया और उज्जवल भविष्य की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दी। राष्ट्रीय मानवाधिकार संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष हितेन्द्र कवाड़, धनराज विनायकिया, व जिला अध्यक्ष दिनेस शर्मा, जिला सचिव घनश्याम वैष्णव, सह सचिव मनोज कुमार, प्रचार सचिव दिनेश शरण, संगठन सचिव प्रकाश रामावत, व कार्यकर्ता बाबूदास,पवन सोनी, घनश्याम सोनी, देरामाराम जाट, भवर सिंह, अय्यूब खान कबाड़ी, नंदू रामावत, पपू पटेल, नरेश सेवग, अशोक राजमणी, पारस दास और समस्त सांगरिया पंचायत ग्राम वासी उपस्तिथ थे।

मकसद हेल्पलाइन के उपाध्यक्ष अमीन शेख का जन्मदिन सेवा दिवस के रूप मे मनाया गया

जन्मदिन के अवसर पर इर्वीन अस्पताल में फल फ्रूट और रक्त दान का आयोजन किया गया

शहर के मकसद हेल्पलाइन के उपाध्यक्ष तथा सामाजिक कार्यकर्ता समाज हित में हमेशा तत्पर आगे रहने वाले अमीन शेख के जन्मदिन के अवसर पर उनके मित्र परिवार द्वारा विविध सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें शहर के इर्वीन अस्पताल में गरीब मरीजों को फल फ्रूट वाटप साथ ही इर्वीन अस्पताल के ब्लड बैंक मे कोरोना काल में रक्त की किल्लत को देखते हुए अमीन शेख मित्र परिवार द्वारा रक्तदान का आयोजन भी किया गया। जिसमें 10 रक्तदाताओ ने रक्त दान किया और कोरोना संकट मे अपनी जान की बाजी लगाकर इर्वीन अस्पताल के ब्लड बैंक मे मरीजों की सेवा करने वाले उमेश आगरकर को मकसद हेल्पलाइन संघटना द्वारा 'रियल कोरोना वारियर' सम्मान पत्र देकर उन्हें सम्मानित किया गया। फल फ्रूट की किट बनाकर मरीजों मे बांटी गई। इस समय आरिफ खान उलेमा बोर्ड अमरावति ज़िला अध्यक्ष, सलमान खान एटिएस, रिजवान एसआर, शामाईल खान, नदीम अहमद आईयूएमएल, मकसद हेल्पलाइन के अध्यक्ष अ. रहीम राही, मोबीन शेख, मतीन राज, असलम जी, शाहरुख शाह उर्फ मोनू, तौसिफ राज, आसिफ उर्फ छोटू, शे, अंसार चांद,शाह अनवर हुसैन, सै, जुनेद, निसारोद्दिन, जैनोद्दिन, शे. जाफर, शे. निसार एसबी, अनीस शाह, अंसार मास्टर, अवेज जी, हुसैन खान, शैख, इरशाद, सै, अवेज, अनवर मकसद, अतीक खान, यह सभि प्रमुखता से उपस्थित थे।

रिया ने अपनी पड़ोसन के खिलाफ कार्रवाई के लिए सीबीआई को लिखा पत्र

मुंबई। ड्रग्स केस में गिरफ्तार और जमानत पर रिहा एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती ने अपनी पड़ोसन डिंपल थवानी के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए सीबीआई को कंप्लेंट दी है। सीबीआई को दी शिकायत में रिया ने कहा है कि डिंपल ने झूठा बयान देकर जांच को भटकाने की कोशिश की है। बता दें कि सुशांत केस की जांच सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद सीबीआई कर रही है। रिया ने सीबीआई को जो पत्र लिखा है उसमें कहा गया है कि उनकी पड़ोसी डिंपल ने मीडिया में बयान दिया था कि 13 जून की रात सुशांत सिंह राजपूत रिया को छोड़ने उसकी बिल्डिंग तक आए थे। उनके बयान के आधार पर मीडिया के एक वर्ग में सुशांत की मौत पर सवालिया निशान वाली कई रिपोर्ट प्रकाशित हुई थीं। सूत्रों का कहना है कि इन आरोपों पर सीबीआई ने रिया के पड़ोसी से पूछताछ की तो उनका बयान झूठा निकला, जिसके बाद केंद्रीय जांच एजेंसी के अधिकारियों ने उन्हें फटकार लगाकर छोड़ दिया था। अब इसी मामले में रिया ने कार्रवाई की मांग की है।

भूमी जनशक्ति परिवर्तन किसान/किसान मजदूर संगठन की मांग, हैवानों को फांसी दो

भूमी जनशक्ति परिवर्तन किसान/किसान मजदूर संगठन के राष्ट्रीय प्रमुख महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष मा. शाहिद हाशमी राष्ट्रीय प्रमुख एंव अखिल भारतीय काँग्रेस पार्टी ऑ. ई. राहुल गांधी ब्रिगेड मेम्बर नेशनल सेंटर बॉडी न्यु दिल्ली ऑल इंडिया मा. शाहिद हाशमी, का कहना यह है कि उत्तर प्रदेश की दिन पर दिन बलात्कार के घटना बढती जा रही है इसी तरह उत्तर प्रदेश में 19 वर्षीय कुमारी मनिषा वाल्मिकी की गैंग रेप की इस पर चार हैवान कुत्तो ने बलात्कार किया उसकी जुबान काटी और रीड की हड्डी तोड़ी गयी। इसी तरह हैवानियत भरा गुनाह किया और इस गुनाह की सजा फांसी होना चाहिए उन हैवानों को जल्द से जल्द फांसी दी जाय तथा उस पीड़ित परिवारो को ऐक करोड़ रुपए का सरकार के तरफ से मुवावजा दी जाय हमारे देश मे कब तक चलते रहेंगी इस तरह की घटनाएं अब हम बर्दाश्त नहीं करेंगे उन दरिन्दो को जल्द से जल्द फांसी दि जाए, और यह मांग को लेकर दिनांक 08/10/2020 दो बजे से चार बजे तक धरना आंदोलन टीपू सुल्तान चौक उत्तर नागपुर मे आंदोलन किया गया, मै किसान संगठन राष्ट्रीय प्रमुख आने वाले समय में राष्ट्रीय में महिला अत्याचार समिती की राष्ट्रीय के सभी राज्यों के जिलों और गांव मे बहोत जल्द घोषणा करने जा रहा हूँ, जिस्से हमारे बहनो की आबरु बचे रहे और किसी महिला पर अत्याचार ना हो। यह आंदोलन मे मा. शाहिद हाशमी (राष्ट्रीय प्रमुख महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष), और महाराष्ट्र प्रदेश सम्पर्क प्रमुख मा. जावेद खान, व विदर्भ प्रदेश उपाध्यक्ष मा. तजेन्द्र सिंह और नागपुर शहर अध्यक्ष मा. अनवर अन्सारी व नागपुर शहर युवा उपाध्यक्ष मा. नरेन्द्र मेश्राम और उत्तर नागपुर एंव पूर्व नागपुर के कार्य कर्ताओं के साथ जादा भीड़ ना लगाते हुए धरणा आंदोलन किया गया।

बुलढाणा हलचल

महिला अत्याचारों से जूझ रहा है बुलढाणा जिला, पीड़ित महिलाओं के परिजनों ने लगाई न्याय की गुहार

संवाददाता

बुलढाणा। बुलढाणा जिला में महिलाओं पर अत्याचार की घटनाएं दिन पर दिन बढ़ती ही जा रही है। हाल ही में जिले भर में लगभग 1 महीनों के अंदर महिलाओं पर अत्याचार बढ़ते ही जा रहे है। जैसे जिले के मेहकर तालुके के ग्राम बोर्डा, जलगांव जामुद तहसील ग्राम मळखेड़ खुर्द, बुलढाणा तहसील के ग्राम अंभोडा में महिला अत्याचार की घटनाएं सामने आई है। इस महिला अत्याचार की घटनाओं पर राजकीय, सामाजिक, विभिन्न संगठनाओं अत्याचार का विरोध प्रदर्शन करते हुए नजर नहीं आए। जबकि देश के कर्नाटक राज्य में हतनी की बच्चे पर कोई अत्याचार करे तो सोशल मीडिया पर जगे हुए सोशल वर्कर इसे पोस्ट करके निंदा कर बेजुबान जानवरों से प्रेम जताते हैं। और

दूसरी और पूरे भारत देश में महिलाओं पर दिन प दिन अत्याचार की घटना घट रही है। इस मामले पर सोशल वर्कर सोए हुए हैं क्या ऐसा सवाल पीड़ित महिला के परिवार सवाल उठाए उठाते दिखाई दे रहे हैं। हाल ही में बुलढाणा जिले में महिलाओं पर घटी घटनाओं पर उनके परिवार वाले ऐसा प्रश्न उठा रहे हैं। महिला एक अपने देश में उच्च स्थान के रूप में मानी जाती है चाहे वह कोई भी समाज की हो महिला आखिर महिला होती है। साथ ही जिले में शर्मिन्दा हेने वाली बात है के एक ओर जिले में विगत कुछ दिनों से महिलाओं पर अत्याचार यौन शोषण विनयभंग के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं। इस और जिस तरह पीड़ित महिलाओं को न्याय के लिए आवाज प्रदर्शन करके मांग को लेकर जोर देना चाहिए था वैसा जिले में दिखाई नही दे रहा है। दूसरी ओर बुलडाणा मे गाय के बछडे को अपने माल हक के लिए डीएनए की मांग कर की न्याय की गुहार लगाई जा रही है। यह न्याय जानवर पर प्रेम दिखाकर आवाज लगाई जा रही है। इस गुत्थी को सलझाने के लिए कई लोग मांग कर रहे हैं लेकिन पीड़ित महिलाओं पर अत्याचार के लिए आवाज नहीं उठा रहे है। ऐसा भी महिलाओं की परिजनों द्वारा नाराजगी जताई जा रही है।

रामपुर हलचल

नगर के मुख्य व रामपुर मार्ग पर अतिक्रमण हटाये जाने को लेकर चलाया गया अभियान

संवाददाता/नदीम अख़्तर

टाण्डा (रामपुर)। नगर के मुख्य व रामपुर मार्ग पर अतिक्रमण हटाये जाने को लेकर चलाया गया अभियान, मुख्य मार्ग की दोनों साइडों पर दुकानों के सामने रोड के किनारे फल सब्जी आदि के ढेले लगाकर व नाले पर अतिक्रमण करने वालो की है भरमार, नाले आदि की सफाई व्यवस्था में होती है अनेकों प्रकार की बाधाये, मुख्य मार्ग यातायात के चलते हो जाता है अवरूद्ध,अधिक्तर मार्ग पर हो रही है एक्सीडेन्ट की दुर्घटनाऐं, मौतों का क्रम लगातार है जारी, न० पा० प० व पुलिस सहयोग के चलते दिया कसा जा रहा है अतिक्रमण कारियों पर शिकन्जा अतिक्रमण कारियों के होंसले हैं बुलन्द मास्क का प्रयोग किये जाने को लेकर दी गई चेतावनी। नगर का मुख्य मार्ग जो एक प्रदेश से दूसरा प्रदेश उत्तराखण्ड को जोड़ता है नगर के मुख्य मार्ग की दोनों साइडों पर नाले आदि पर अतिक्रमण को बढ़ावा दिया जा रहा है नाले की सफाई व्यवस्था आदि में अनेकों प्रकार की बाधायें उत्पन्न होती रहती हैं लगातार अभियान चलाये जाने के उपरान्त भी दुकानदार फड़ व फल सब्जी का ठेला लगाने वाले अपनी हरकतों से बाज नहीं आ पा रहे हैं मुख्य मार्ग संकुचित होने के साथ साथ अवरूद्ध होकर रह जाता है अधिक्तर ऐक्सीडेंट की घटनाओं का होना लगातार मौतों का होने का क्रम जारी है बड़े वाहनों की चपेट में आकर छोटे बच्चे आदि उसकी चपेट में आकर गम्भीर रूप से घायल अवस्था के चलते दम तोड़ देते हैं आपात कालीन स्थिति के चलते उनका इलाज भी कराया जाता है लेकिन कोई सफलता नहीं मिल पाती हैं साथ ही नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधि० कोतवाल माधो सिंह विष्ट द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाकर तथा अतिक्रमाणियों का सख्त दिशा निर्देश देते हुए शीघ्र अग्रिम कार्यवाही किये जाने की चेतावनी के साथ साथ माल को भी जब्द किये जाने के दिशा निर्देश दिये गये है असिल दुर्घटना होने का मुख्य कारण तेज रफ्तार वाहनों का चलाया जाना तीन दिन पूर्व बैट्री रिक्शा चालक अज्ञात वाहन की चपेट में आकर बुरी तरह गम्भीर रूप से घायल हो गया था जिसकी मौके पर ही मौत हो गई थी अज्ञात वाहन मौके से अपना वाहन लेकर फरार हो गया एक्सीदेंट की घटना को देखते हुए उसके परिवार जन व अन्य लोगों की मदद व पुलिस सहयोग के चलते शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय पहुंचाया गया घटना इतनी जबरदस्त भी कि मौके पर देखने वालों के होश उड़ गये दुसरी घटना रविवार दोपहर की है साइकिल सवार दो बच्चे मुख्य मार्ग की साइड में साइकिल चला रहे थे अचानक आयशर केन्टर ने टक्कर मार दी जिससे मो० मतीन नामक बच्चा बुरी तरह घायल हो गया बाहन को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है बच्चे का इलाज। लगातार जारी हैं जिसकी हालत अभी गम्भीर बताई जाती है अतिक्रमण अभियान के दौरान, कोतवाल माधो सिंह विष्ट,एस.आई. मनोज कुमार अधिशासी अधि० राजेश सिंह राणा,नोडल अधिकारी धनीराम सैनी, डालचन्द,पंजीराम, सुदेश, सुरेश, दिनेश, फारूक अक्खू व अन्य पुलिस बल तैनात रहा।

मधुबनी हलचल

मधुबनी विधानसभा से समीर कुमार महासेठ को दूसरी बार राष्ट्रीय जनता दल ने बनाया उम्मीदवार

संवाददाता/मो सालिम आजाद

मधुबनी। मधुबनी विधानसभा से विधायक समीर कुमार महासेठ को दूसरी बार राष्ट्रीय जनता दल का उम्मीदवार बनाया गया है। जनता दल से लगातार दुसरी बार उम्मीदवार बनायाऐ जाने पर लोगों की तरफ से बधाईयाँ देने का सिलसिला शुरू हो गया है। काबिल जिक्र है कि दैनिक मुंबई हलचल के सहाफी मोहम्मद सालिम आजाद ने भी उन्हें बधाई दी है। और अल्लाह ताआला से कामयाबी की दोआ भी किया मोबारक बाद देने वालो में मो मुर्तजा अनसारी मो ऐजाज अनसारी मो वाजिद अनसारी मो साजिद आजाद मोलाना शकील अहमद ईसलामी मो जाहिर अंसारी हाजी मोइनुद्दीन अंसारी मो अनीस अंसारी अकील अंसारी सद्दाम हुसैन साबिर लाला सादिक अंसारी राजिक अंसारी मोलाना नजरुल ऐन ईसलामी मोलाना के नाम काबिले जिक्र है।

कोरोना काल में आर्थिक कष्ट उठा रहे शिक्षकः मो अखलाक अंसारी

संवाददाता/मो सालिम आजाद

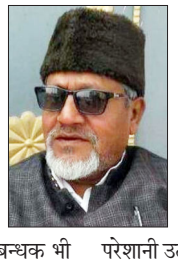

मधुबनी। जिला पंचायत सदस्य मो अखलाक अंसारी ने माध्यमिक व बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त वित्त विहीन विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की कोरोना काल में हुई दयनीय आर्थिक स्थिति पर मुख्य मंत्री व शिक्षा मंत्री से विशेष आर्थिक सहयोग की मांग की है। मो अखलाक अंसारी ने मांग किया है कि प्रदेश सहित जनपद के हजारों शिक्षक व कर्मचारी जो वित्विहीन मान्यता प्राप्त विद्यालयों व प्राईवेट स्कूलों में कार्यरत हैं। कोरोना काल में आर्थिक परेशानी उठा रहे हैं। इनकी आय का स्रोत बन्द है। विद्यालय के प्रबन्धक भी कोरोना वबा के चलते परेशान हैं। पांच माह से आर्थिक तंगी का दंश झेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि कारोना संक्रमण के चलते लॉकडाउन के कारण तमाम प्राइवेट स्कूल बन्द हैं। इनकी सीमित आय भी बन्द हो गई है। शिक्षक बेरोजगारी का दंश झेल रहे हैं। मो अखलाक अंसारी ने प्रदेश सरकार से इन शिक्षकों के लिए विशेष आर्थिक सहयोग की मांग की है। इन शिक्षकों को मार्च माह से परिषदीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षामित्रों/अनुदेशकों की तरह आर्थिक सहायता हेतु मानदेय दिए जाने की मांग किया है। मो अखलाक अंसारी ने कहा कि विद्यालय बंद होने के कारण अभिभावक भी परेशान हैं। ग्रामीण क्षेत्र के गार्जियन का भी कारोबार प्रभावित है। आय के स्रोत पर ग्रहण लग गया है। जिससे फीस भी जमा नहीं कर पा रहे हैं। विद्यालय प्रबन्धक को स्कूल संचालन में परेशानी उठानी पड़ रही है। कोरोना काल में इन विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यालय प्रबन्ध तंत्र की कोई सुधि लेने वाला नहीं है। जबकि इन विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक व कर्मचारी और विद्यालय प्रबन्ध तंत्र भी प्रदेश में सब पढ़ें, सब बढ़े।

राजस्थान हलचल

जैसलमेर आशापूरा में दिखा बीकानेर की सुनहरी कलम का वैभव

संवाददाता/सैय्यद अल्ताफ हूसैन

बीकानेर। जैसलमेर के पोकरण नगर में स्थित मां आशापुरा का मंदिर जो कि अपना 760 वर्ष का अपना इतिहास लिए हुए हैं गुजरात के कच्छ भुज से शाकम्बरी माता की ज्योत लाकर लाकर लूण भूण जी की आशा पूर्ण करने के कारण यहाँ आशापुरा के नाम से यहां पर उनके मंदिर की स्थापना की गयी। मंदिर के पुजारी नगदपुरी ने बताया कि यहां 450 वर्षो से अखंड ज्योत के दर्शन करने लोग दूर दूर से पद यात्रा करके भी आते है जो कि उनके आसाओ को पूरा करती है। आसोज के नवरात्रि की तैयारियों को लेकर बीकानेर के युवा चित्रकार राम कुमार भादाणी व कमल किशोर जोशी द्वारा मन्दिर की बंगली पर सुनहरी कलम से अपनी धर्मिक व संस्कृति के साथ साथ शहर की पौरणिक सभ्यता को साकार कर कलात्मक कार्य किया है। मंदिर में आसोज के नवरात्रा की पूर्व तैयारी में राधेश्याम,आदित्य, कुलदीप व जगमोहन के द्वारा थमाकौल व फूलों के श्रंगार किया जा रहा है।

बीकानेर में तेल-गैस खोज में करीब 900 लोगों को मिल सकेगा रोजगार, ओएनजीसी को लाइसेंस जारी

संवाददाता/सैय्यद अल्ताफ हूसैन

बीकानेर। बीकानेर में तेल-गैस खोज में करीब 900 लोगों को मिल सकेगा रोजगार, ओएनजीसी को लाइसेंस जारीः ओएनजीसी बीकानेर जिले के 2118.83 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में तेल और प्राकृतिक गैस की खोज करेगी। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइन्स एवं पेट्रोलियम डॉ. सुबोध अग्रवाल ने बताया कि इसके लिए ओएनजीसी को पिछले दिनों ही 3 साल के लिए ब्लॉक आवंटित किया गया है। केन्द्र सरकार के पेट्रोलियम एवं गैस मंत्रालय की अनुशंषा पर यह लाइसेंस जारी किया गया है। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि ओएनजीसी इस क्षेत्र में क्रूड ऑयल एवं प्राकृतिक गैस की खोज पर फेज मेनर में करीब 74 करोड़ रु. का निवेश करेगी और 150 से 200 लोगों को प्रत्यक्ष व 500 से 700 लोगों को अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। इसके साथ ही उत्पादन आरंभ होने पर क्रूड ऑयल के उत्पादन पर 12.5 प्रतिशत और प्राकृतिक गैस के उत्पादन पर 10 प्रतिशत की दर से प्रदेश को राजस्व प्राप्ति होगी। उन्होंने बताया कि ओएनजीसी द्वारा जैसलमेर बेसिन में पहले से ही खोज व खनन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ओएनजीसी द्वारा को जैसलमेर में आरजे-ओएनएचपी-2019/1 ब्लॉक का आवंटन किया गया है। इस क्षेत्र में ओएनजीसी द्वारा खनिज क्रूड ऑयल व प्राकृतिक गैस की खोज व उत्पादन किया जाएगा।

समस्तीपुर हलचल

ताजपुर रोड एलआईसी ऑफिस के पास दिवंगत केंद्रीय मंत्री राम विलास पासवान को श्रद्धांजलि अर्पित किया गया

समस्तीपुर। ताजपुर रोड एलआईसी ऑफिस के पास शोकसभा का आयोजन किया गया जिसमें दिवंगत केंद्रीय मंत्री राम विलास पासवान को श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। मौके पर वार्ड पार्षद सुनील पासवान, दीपक कुमार, उचित पासवान, नवीन पासवान, विशुन देव महतो, अमरजीत कुमार, जेके यादव धर्मेंद्र यादव, राज कुमार, नरेश पासवान, गोपाल, रमेश, हीरा देवी, राम सिंह, लखिन्द्र पासवान, ननकी पासवान, आदि मौजूद थे। लोजपा के संस्थापक और उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री पासवान कई सप्ताह से अस्पताल में भर्ती थे। हाल ही में उनके हृदय की सर्जरी हुई थी। विदित को की लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) के संस्थापक और केंद्रीय मंत्री रहे रामविलास पासवान शनिवार को पंचतत्व में विलीन हो गए।

जुट मिल के मजदूरों ने किया हंगामा

समस्तीपुर। जिले के मुक्तापुर स्थित रामेश्वर जूट मिल के मजदूरों ने किया जमकर किया नारेबाजी। बताते चले कि विगत तीन वर्षों से बंद पड़ा था जूट मिल, जो एक माह पूर्व 13 सितम्बर 2020 को उद्योग मंत्री महेश्वर हजारी ने अपने अथक प्रयास से जूट मिल चालू कराने के लिए सायरन बज वा दिया। उन्ही के कहने के अनुसार सफाई भी प्रारम्भ कर दी गई। मजदूरों को मंत्री और जूट मिल प्रबंधक के अलावा जिला प्रशासन ने आश्वासन दिया था कि सफाई कार्य समाप्त होते ही उत्पादन का काम शुरू हो जाएगा, परंतु सफाई कार्य पूर्ण होने के बाद भी उत्पादन का काम शुरू नही हो सका। मजदूरों को मजदूरी नही मिल रहा है, जूट मिल प्रशासन द्वारा आज कल का भरोसा देकर मजदूरों को टहलाया जा रहा है। इतना ही नही जूट मिल के प्रबंधक इस मामले में दिलचस्पी भी नही ले रहे हैं। इसी को लेकर आज सभी मजदूरों ने उद्योग मंत्री,जूट मिल प्रशासन एवं जिला प्रशासन के खिलाफ जमकर नारी कर रहे थे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

35 की उम्र के बाद बदल लें ये 6 आदतें क्योंकि...

सेहत के लिए अच्छी आदतें : उम्र के हर पड़ाव में अच्छी सेहत के लिए डाइट प्लान बदलना जरूरी हो जाता है। मगर क्या आप जानती हैं कि 35 की उम्र के बाद आपको अपनी आदतों में भी बदलाव करना चाहिए। महिलाओं की ऐसी बहुत-सी आदतें होती हैं, जो 35 की उम्र के बाद सेहत को नुकसान पहुंचाती है। अगर आप में भी ये आदतें हैं तो 35 प्लस होने के बाद बदल लें। आइए जानते हैं ऐसी ही कुछ बुरी आदतों के बारे में, जिसे 35 की उम्र के बाद छोड़ देना ही महिलाओं के लिए बेहतर है।

1. बाहर खाना खाना : महिलाओं को बाहर का स्ट्रीट फूड खाना बहुत पसंद होता है लेकिन यह आपकी सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है, खासकर 35 की उम्र के बाद। क्योंकि इस उम्र के बाहर बीमारियां लगने का डर सबसे ज्यादा होता है। ऐसे में बाहर का खाना आपकी हैल्थ पर बुरा असर डाल सकता है।

2. पर्याप्त पानी नहीं पीना : अच्छी हैल्थ के लिए पानी पीना बहुत जरूरी होता है। कई बार महिलाएं बॉडी डिहाइड्रेट होने सोडा ड्रिंक या कोल्ड ड्रिंक का सेवन कर लेती है लेकिन इस समय में शरीर को पानी की ही जरूरत होती है। इसलिए याद रखें कि पानी की जगह आपको सोडा ड्रिंक नहीं लेना हैं।

3. हेल्दी स्नैक्स को गलत तरीके से खाना : महिलाओं को स्नैक्स खाना बेहद पसंद होता है लेकिन आप जो खाती हैं उसके बारे सावधान रहें, खासकर अगर आप नाइट-स्नैकर हैं। क्योंकि स्नैक्स में मौजूद चीनी या कैलोरी की मात्रा आपको मोटापे और डायबिटीज का शिकार बना सकती है।

4. एक्सरसाइज से बचना : महिलाएं तो वैसे भी एक्सरसाइज न करने के बहाने ढूंढती रहती है लेकिन यह आदत आपको कई गंभीर बीमारियों का शिकार बना सकती है। 35 की उम्र के बाद तो आपको एक्सरसाइज की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। इसलिए आज ही अपनी इस आदत को बदल लें।

5. रोजाना कॉफी या चाय का सेवन : हर रोज कॉफी या चाय पीने से वजन तेजी से बढ़ता है। घर हो या ऑफिस, महिलाएं एक दिन में कम से कम 2-3 बार तो इसका सेवन कर ही लेती हैं लेकिन यह आपकी सेहत को नुकसान पहुंचाती है। इसलिए जल्दी अपनी इस आदत को बदलें।

6. ब्रेकफास्ट न करना : ब्रेकफास्ट न करना महिलाओं की बहुत बुरी आदत है। कुछ महिलाएं ऑफिस जाने में देरी होने के कारण ब्रेकफास्ट स्किप कर देती हैं और कुछ अपनी मर्जी से। वहीं हाउसवाइफ वुमन्स घर का काम करने के बाद ही खाना पसंद करती हैं। मगर नाश्ता न करना आपको बीमार कर सकता है, खासकर 35 की उम्र के बाद।

30 मिनट में होममेड मैनीक्योर से हाथों को बनाए कोमल और चमकदार

हाथों की खूबसूरती बनाएं रखने के लिए लड़कियां पार्लर में मैनिक्योर या फिर स्पा जैसे मंहगे ट्रीटमेंट का सहारा लेती हैं। मगर इसमें मौजूद केमिकल कुछ लोगों की स्किन पर सूट नहीं करते। ऐसे में आप होममेड मैनिक्योर द्वारा अपने हाथों के साथ नाखूनों को भी खूबसूरत दिखा सकती हैं। इतना ही नहीं, घर पर मैनिक्योर करने के लिए अधिक समय देने की भी जरूरत नहीं है। तो चलिए जानते है घर पर नेचुरल मैनिक्योर करने का तरीका।

मैनीक्योर के लिए सामान : मैनीक्योर करने के लिए आपको नेलपेंट रिमूवर, नेलकटर, कॉटन, टब या बाल्टी, शैम्पू, गुनगुना पानी, मॉइश्चराइजिंग क्रीम, 2 टेबलस्पून जैतून का तेल, 1 टीस्पनू शक्कर और तौलिया चाहिए होगा।

कैसे करें मैनीक्योर

स्टेप- 1 : मैनीक्योर करने के लिए सबसे पहले अपने नाखूनों को कॉटन की मदद से साफ करें। इसके बाद इसे काटकर फाइलर से शेप दें।

स्टेप- 2 : अब टब में गुनगुना पानी और शैम्पू डालकर उसमें कुछ देर हाथ डुबोएं। कुछ देर हाथों को निकालकर इसे ब्रश से साफ करें और फिर तौलिए से साफ कर लें।

स्टेप- 3 : इसके शक्कर और जैतून के तेल को मिक्स करके हाथों को स्क्रब करें। इसके बाद गुनगुने पानी से हाथों को धोकर साफ करें। जैतून का तेल मॉइश्चराइजर की तरह काम करके हाथों को नमी देता है और शक्कर त्वचा से डेड स्किन निकालने का काम करती हैं।

स्टेप- 4 : हाथों को सूखाने के बाद उसपर मॉइश्चराइजिंग क्रीम लगाए और फिर अपनी मनपसद नेलपॉलिश अप्लाई करें।

घर पर 5 स्टेप में आसानी से करें पेडीक्योर

लड़कियां पैरों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए पार्लर में बहुत सारे पैसे खर्च कर देती है। मगर आप होममेड पेडीक्योर द्वारा अपने पैरों को साफ और खूबसूरत बना सकती हैं। इतना ही नहीं, करने के लिए आपको अधिक समय देने की भी जरूरत नहीं है। सिर्फ 30 मिनट में होममेड पेडीक्योर आपके पैरों को साफ और खूबसूरत बना देगा, वो भी कम खर्च में। तो चलिए जानते है घर पर नेचुरल पेडीक्योर करने का तरीका।

पेडीक्योर के लिए सामान : पेडीक्योर करने के लिए आपको नेलपेंट रिमूवर, कॉटन, नेल कटर, नेल फाइलर, तौलिया, प्यूमिक स्टोन, नेल ब्रश, (लूफाह) स्क्रब करने का ब्रश, शहद, मॉइश्चराइजिंग क्रीम, नींबू कटे हुए, गेंदें का फूल, हर्बल शैम्पू, टब और गुनगुना पानी चाहिए होगा।

कैसे करें पेडीक्योर

स्टेप- 1 : पेडीक्योर करने से पहले अपने पैरों के नाखूनों को साफ कर लें। इसके बाद इसे काटकर नेल फाइलर से शेप दें।

स्टेप- 2 : टब में गुनगुना पानी डालकर उसमें नींबू स्लाइस और गेंदे के फूल की पत्तियां डालें। अब इसमें 10-15 मिनट तक पैर डालकर रखें। जब पैरों की त्वचा नर्म हो जाए तो नाखूनों को ब्रश से साफ करें। एड़ियों को साफ करने के लिए प्यूमिक स्टोन का इस्तेमाल करें और सारी डेड स्किन निकाल लें।

स्टेप- 3 : इसके बाद नींबू की स्लाइस को पैरों पर हल्के हाथों से मसाज करें। मसाज के बाद पैरों को गुनगुने पानी से धोकर तौलिए से साफ कर लें।

स्टेप- 4 : अब स्क्रबर में 2 टीस्पून शहर और मॉइश्चराइजिंग क्रीम मिलाएं। अब इससे अच्छी तरह पैरों को स्क्रब करें। स्क्रब करने के बाद पैरों को गुनगुने पानी से साफ करें।

स्टेप- 5 : पैरों को धोने के बाद इसे अच्छी तरह पोछकर तौलिए से साफ करें। पैरों को सूखाने के बाद उसपर क्रीम लगाए और फिर अपनी मनपंसद नेलपॉलिश अप्लाई करें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कैटरीना कैफ की सुपर हीरो फिल्म की तैयारियां जोरों पर

बॉलीवुड एक्ट्रेस कैटरीना कैफ अपने बेस्ट फ्रेंड अली अब्बास जफर के साथ मिलकर एक सुपरहीरो फिल्म पर काम करने वाली हैं। अली फिल्म की शूटिंग के सिलसिले में दुबई में हैं और जगह तलाशने में जुटे हुए हैं। अली अब्बास अपनी इस फिल्म की शूटिंग अबू धाबी में करेंगे। इसके लिए उन्होंने दुबई में ही इस फिल्म के प्री प्रोडक्शन का काम शुरू किया है। आपको बता दें। इस फिल्म में कैटरीना कैफ एक सुपर वुमन के किरदार में नजर आएंगी। इसके लिए उन्होंने लॉकडाउन भर काफी तैयारियां भी की हैं। मौजूदा हालात में विदेशियों को देश में आने जाने में दिक्कत का सामना करना पड़ता है। इसलिए अली अब्बास इस फिल्म के प्री प्रोडक्शन का काम दुबई में कर रहे हैं। एक इंटरव्यू के दौरान अली ने अपनी आने वाली फिल्म को लेकर खुलासा भी किया और कहा कि, कैटरीना ने फिल्म के लिए अपनी फिजिकल ट्रेनिंग शुरू कर दी है जिसे अभी हम दो पार्ट में बनाने के बारे में सोच रहे हैं। अली ने कहा कि कोरोना के दौरान अगर हालात ठीक रहे तो जनवरी तक वो इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर देंगे।

कंगना रनौत ने एक बार फिर बॉलीवुड इंडस्ट्री पर साधा निशाना

कंगना रनौत बॉलीवुड सितारों से पंगा लेने के लिए जानी जाती हैं। वह अपनी बेबाकी के लिए मशहूर हैं और आए दिन किसी ना किसी सितारे पर निशाना साधती रहती हैं। वहीं एक बार फिर कंगना ने बॉलीवुड इंडस्ट्री पर निशाना साधा है। कंगना कई दिनों से भाई-भतीजावाद, नेपोटिज्म और ड्रग्स कल्चर को लेकर बयान दे चुकी हैं। कई टॉप स्टारकिड्स और आर्टिस्ट्स पर निशाना साध चुकी हैं। इसी बीच बॉलीवुड के कई सुपरस्टार प्रोडक्शन हाउसेज ने टॉप मीडिया कंपनियों पर बदनामी का आरोप लगाते हुए केस दर्ज किया है। वही कंगना ने एक बार फिर बॉलीवुड इंडस्ट्री को घेरा है और बॉलीवुड के स्टार्स पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। कंगना ने सिलसिलेवार ट्वीट्स में लिखा- बुलीवुड जो ड्रग्स, शोषण, नेपोटिज्म और जिहाद का गटर है। बजाए के इसे साफ करने के, बॉलीवुड स्ट्राइक्स बैक जैसे हैशटैग्स का इस्तेमाल किया जा रहा है। मैं तो कहती हूं कि मुझ पर भी केस कर दो। जब तक मैं जिंदा हूं तब तक मैं तुम सभी को एक्सपोज करती रहूंगी।

प्रभाष की फिल्म 'आदिपुरुष' में अजय की एंट्री

बॉलीवुड एक्टर अर्जुन कपूर ने आखिरकार एक महीने बाद कोरोनावायरस से जंग जीत ली। उन्होंने सोशल मीडिया पर यह खुशखबरी अपने फैंस के साथ शेयर की। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि कोरोना से ठीक होने के बाद वह कैसा महसूस कर रहे हैं? अर्जुन कपूर ने पोस्ट में लिखा, हाय, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि कोरोनावायरस टेस्ट निगेटिव आई है। मैं अब पूरी रिकवरी के बाद अच्छा महसूस कर रहा हूं और काम पर लौटने के लिए उत्साहित हो रहा हूं। उन्होंने शुभचिंतको का शुक्रिया करते हुए आगे लिखा, आप सभी की शुभकामनाओं और पॉजिटिव एनर्जी के लिए शुक्रिया। यह वायरस सीरियस है इसलिए मैं सभी से निवेदन करता हूं कि इसे सीरियसली लें। लोगों को समझना चाहिए कि कोरोना का प्रभाव बड़ों और बच्चों दोनों पर है, इसलिए प्लीज हर समय मास्क पहनें। अर्जुन कपूर ने अपनी पोस्ट में बीएमसी को भी शुक्रिया कहा है। उन्होंने लिखा, शुक्रिया बीएमसी आपके सपोर्ट और हेल्प के लिए। उन सभी कार्यकताओं को सलाम जो अपनी जान जोखिम में डालकर हमारी देख-रेख कर रहे है। हम आपके हमेशा कर्जदार रहेंगे।